अन्वेषण अनुसंधान नवोन्मेष प्रेरणा

युविका-2019

29 राज्यों एवं 7 केंद्र शासित प्रदेशों से प्रत्येक माध्यमिक विद्यालय के तीन छात्र

2 सप्ताह का आवासीय ग्रीष्म अवकाश कार्यक्रम (मई 13-26)

इसरो के चार केंद्रों में कार्यक्रम का विस्तार

अध्यक्ष, इसरो द्वारा 13 मई, 2019 को कार्यक्रम का उद्घाटन

17 मई, 2019 को एस.डी.एस.सी., शार, श्रीहरिकोटा में

युविका - अध्यक्ष, इसरो के साथ संवाद

युविका 2019 कार्यक्रम का आरंभ 13 मई, 2019 से हो रहा है। विद्यार्थियों की जिज्ञासा स्तर एवं व्यावहारिक अनुप्रयोगों में शैक्षणिक पाठों को जोड़ने की आवश्यकता को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु तैयार की गई है।

दो सप्ताह के पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में विविध विज्ञान विषयों में, पर्यावरण विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा, खगोल विज्ञान, रॉकेट इंजीनियरी, अंतरिक्ष अनुप्रयोग के साथ संचार कौशल माड्यूल जैसेकि, समूह कार्य, संचार, नेतृत्वगुण आदि विषयों का चयन किया गया है। इस संपूर्ण पाठ्यक्रम सामग्री को टैबलेट में पहले से ही डाल दिया गया है, जिसे सभी विद्यार्थियों को दिया जाएगा। जटिल मिशनों को पूरा करने के लिए टीम-इसरो कैसे कार्य करती है, विद्यार्थी इसका प्रारंभिक अनुभव प्राप्त करने के लिए इसरो प्रयोगशालाओं का दौरा भी करेंगें। विद्यार्थी संपूर्ण कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ अन्योन्यक्रिया करेंगें।

युविका-संवाद हेतु 17 मई 2019 को सभी प्रतिभागी विद्यार्थी एस.डी.एस.सी., शार, श्रीहरिकोटा का दौरा करेंगे, जोकि अध्यक्ष, इसरो के साथ अन्योन्यक्रिया करने का मंच है। विद्यार्थी अंतरिक्ष पत्तन प्रचालनों को समझने के लिए एस.डी.एस.सी., शार, में प्रमोचन पैड और समेकन सुविधाओं का भी दौरा करेंगे।

डॉ. कै. शिवन, अध्यक्ष, इसरो ने कहा है कि "यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है कि युवाओं और विद्यार्थियों के समक्ष महत्वपूर्ण चुनौतियां रखकर उन्हें प्रोत्साहित और प्रेरित करें। राष्ट्रीय विकास को टिकाऊ बनाने के लिए भावी पीढ़ी को तैयार करना आवश्यक है। स्कूली पाठ्यक्रम एवं विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों के बीच गहरा संबंध होना चाहिए। हमारे राष्ट्र को संवारने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के पास महान क्षमता है। उपग्रह समूह हजारों जीवन बचा सकता है और लाखों जीवन को प्रभावित कर सकता है।"